(4) स्नातक हिन्दी VOC सेमेस्टर V-VI

SEMESTER-5										
Remarks	**Course Type**	**Course Code**	**Nomenclature of Course**	**Credits**	**Theory + Tutorial**	**Cont. Hours/ Week**	**Internal marks**	**External Marks**	**Total Marks**	**Exam Duration**
Scheme A only	**CC-M-5(V)**	24UN-HND-VOC-507N	पत्रकारिता और सम्पादन कला	4	3+1	4	30	70	100	3 hrs.
SEMESTER-6										
Remarks	**Course Type**	**Course Code**	**Nomenclature of Course**	**Credits**	**Theory + Tutorial**	**Cont. Hours/ Week**	**Internal marks**	**External Marks**	**Total Marks**	**Exam Duration**
Scheme A only	**CC-M-7(V)**	24UN-HND-VOC-608N	सृजनात्मक लेखन	4	3+1	4	30	70	100	3 hrs.

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(पंचम सेमेस्टर)
पत्रकारिता और सम्पादन कला Course Type : CC-M-5 (V)

विषय कोड–24UN-HND-VOC-507N
क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

शिक्षण–अधिगम के उद्देश्य व अपेक्षित परिणाम

- **उद्देश्य (Objective)**

1. विद्यार्थियों को पत्रकारिता की अवधारणा, स्वरूप, प्रकार तथा सिद्धान्तों का ज्ञान कराना ताकि वे पत्रकारिता के मूलभूत आधार को समझ सकें।
2. विद्यार्थियों में समाचार लेखन, रिपोर्टिंग, फीचर तथा स्तम्भ लेखन की व्यावहारिक दक्षता विकसित करना।
3. समाचार पत्रों की सम्पादन–प्रक्रिया, साज–सज्जा तथा सम्पादक के कार्यों एवं दायित्वों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4. हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव, विकास, चुनौतियों तथा आधुनिक पत्रकारिता में फोटो, कार्टून और ग्राफिक्स के महत्व को समझाना।

- **अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)**

1. विद्यार्थी पत्रकारिता के अर्थ, प्रकार, सिद्धान्त एवं प्रमुख माध्यमों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी समाचार, रिपोर्ट, फीचर तथा स्तम्भ लेखन की प्रक्रिया को समझकर प्रभावी लेखन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी समाचार पत्रों की सम्पादन प्रक्रिया, साज–सज्जा तथा सम्पादकीय लेखन के महत्व को व्यावहारिक रूप से समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता के विकास, चुनौतियों तथा पत्रकारिता में दृश्य–श्रव्य सामग्री (फोटो, कार्टून, ग्राफिक्स) के महत्व का मूल्यांकन कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम–विभाजन

इकाई–1. पत्रकारिता की अवधारणा

- पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप।
- पत्रकारिता के प्रकार।
- पत्रकारिता के उद्देश्य।
- पत्रकारिता के तत्व।
- पत्रकारिता के सिद्धान्त।
- पत्रकार की योग्यताएँ।
- पत्रकारिता के प्रमुख माध्यम।

इकाई–2. समाचार, रिपोर्टिंग, फीचर और स्तम्भ लेखन

- समाचार : समाचार का अर्थ, परिभाषा और तत्व, समाचार लेखन के प्रकार, समाचार के स्रोत, समाचार संकलन।
- रिपोर्टिंग : रिपोर्टिंग के प्रकार, रिपोर्टिंग की प्रक्रिया, रिपोर्टिंग के स्रोत।
- फीचर : फीचर लेखन के तत्व, फीचर के प्रकार व फीचर लेखन की प्रक्रिया।
- स्तम्भ लेखन : स्तम्भ लेखन का अर्थ और स्वरूप, स्तम्भ लेखन की विशेषताएँ, स्तम्भ लेखन के प्रकार व उद्देश्य।

इकाई–3. समाचार पत्र और सम्पादन–प्रक्रिया

- समाचार पत्र का स्वरूप और महत्व
- सम्पादन का अर्थ और प्रक्रिया
- सम्पादन कला के सिद्धान्त
- सम्पादक की योग्यताएँ
- सम्पादक के कार्य और दायित्व
- सम्पादकीय का अर्थ और महत्व

इकाई–4. हिन्दी पत्रकारिता और साज–सज्जा

- हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।
- हिन्दी पत्रकारिता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
- हिन्दी पत्रकारिता की प्रमुख चुनौतियाँ।
- हिन्दी के समाचार पत्रों की भाषा।
- समाचार पत्रों की साज–सज्जा।

आवश्यक निर्देश :– पाठ्यक्रम में दिए गए उपर्युक्त बिन्दुओं से बाहर कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।

1. **प्रश्न संख्या–1 से 4**– में पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों से आन्तरिक विकल्प के साथ कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से विद्यार्थियों को 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 14+14+14+14 = 56 अंक निर्धारित हैं। (उत्तरों की अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)
2. **प्रश्न संख्या–5**– पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्नों का चयन करते हुए सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 8 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को किन्हीं 7 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। कुल मिलाकर यह प्रश्न 2X7 = 14 अंकों का होगा। (उत्तरों की अधिकतम शब्द–सीमा : 15–20 शब्द)

सन्दर्भ सूची–

1. डॉ. कृष्णबिहारी मिश्र, हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. सुमित मोहन, मीडिया लेखन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. डॉ. संजीव भानावत, पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, जयपुर।
4. डॉ. अर्जुन तिवारी, हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. ओ.पी. शर्मा, पत्रकारिता और उसके विभिन्न स्वरूप, महावीर एण्ड संस, दिल्ली।

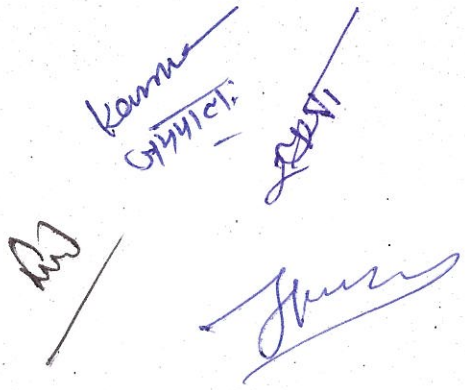

बी.ए. हिन्दी अनिवार्य
(षष्ठ सेमेस्टर)
सृजनात्मक लेखन Course Type : CC-M-7 (V)

विषय कोड–24UN-HND-VOC-608N
क्रेडिट : 04

पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आन्तरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

शिक्षण–अधिगम के उद्देश्य व अपेक्षित परिणाम

- **उद्देश्य (Objective)**

1. विद्यार्थियों को सृजनात्मकता तथा सृजनात्मक लेखन की अवधारणा, तत्वों एवं प्रक्रियाओं का ज्ञान प्रदान करना।
2. विद्यार्थियों में कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक तथा संस्मरण आदि साहित्यिक विधाओं के लेखन कौशल का विकास करना।
3. विद्यार्थियों को कथेत्तर सृजनात्मक लेखन जैसे रिपोर्ताज, यात्रावृत्तान्त, निबंध, साक्षात्कार एवं अनुवाद लेखन की प्रविधियों से परिचित कराना।
4. विद्यार्थियों को जनसंचार माध्यमों के लिए समाचार, फीचर, पटकंथा, ब्लॉग, विज्ञापन तथा रिपोर्ट लेखन की व्यावहारिक दक्षता प्रदान करना।

- **अधिगम प्रतिफल (Learning Outcome)**

1. विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की अवधारणा, तत्वों, उद्देश्यों एवं विभिन्न विधियों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी विभिन्न साहित्यिक विधाओं जैसे कविता, कहानी, नाटक एवं उपन्यास आदि का प्रभावी और सृजनात्मक लेखन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी कथेत्तर लेखन की विविध विधाओं में उपयुक्त शैली एवं तकनीकों का प्रयोग करते हुए लेखन कौशल विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी जनसंचार माध्यमों के लिए समाचार, फीचर, ब्लॉग, विज्ञापन, पटकथा तथा प्रतिवेदन लेखन की व्यावहारिक समझ और दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम–विभाजन

इकाई–1. सृजनात्मक लेखन की अवधारणा

- सृजनात्मकता का अर्थ, परिभाषा एवं तत्व।
- सृजनात्मकता के सिद्वान्त
- सृजनात्मक लेखन का अभिप्राय तथा क्षेत्र,
- सृजनात्मक लेखन के तत्व,
- सृजनात्मक लेखन का उद्देश्य व महत्व।

इकाई–2. सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया

- सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया के विविध सोपान,
- सृजनात्मक लेखन की विधियाँ,
- सृजनात्मकता को प्रभावित करने वाले कारक,
- सृजनात्मक लेखन में भाषा की भूमिका,
- सृजनात्मक लेखक के गुण।

इकाई–3. सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम

- कविता लेखन का स्वरूप, तत्व और लेखन प्रविधियाँ।
- कहानी लेखन का स्वरूप, तत्व और लेखन प्रविधियाँ।
- उपन्यास लेखन का स्वरूप, तत्व और लेखन प्रविधियाँ।
- नाटक लेखन का स्वरूप, तत्व और लेखन प्रविधियाँ।
- संस्मरण लेखन का स्वरूप, तत्व और लेखन प्रविधियाँ।

इकाई–4. जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन

- समाचार लेखन।
- फीचर लेखन।
- पटकथा लेखन।
- स्तम्भ लेखन।
- वेब और ब्लॉग लेखन।
- विज्ञापन लेखन।
- प्रतिवेदन (रिपोर्ट) लेखन

आवश्यक निर्देश :– पाठ्यक्रम में दिए गए उपर्युक्त बिन्दुओं से बाहर कोई प्रश्न नहीं पूछा जाएगा।

1. **प्रश्न संख्या–1 से 4**– में पाठ्यक्रम की चारों इकाइयों से आन्तरिक विकल्प के साथ कुल 8 प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से विद्यार्थियों को 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के 14+14+14+14 = 56 अंक निर्धारित हैं। (उत्तरों की अधिकतम शब्द–सीमा : 500 शब्द)
2. **प्रश्न संख्या–5**– पाठ्यक्रम की प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्नों का चयन करते हुए सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 8 अति लघूत्तरात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से विद्यार्थियों को किन्हीं 7 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। कुल मिलाकर यह प्रश्न 2X7 = 14 अंकों का होगा। (उत्तरों की अधिकतम शब्द–सीमा : 15–20 शब्द)

सन्दर्भ सूची–

1. सृजनात्मक लेखन और संचार क्षमता– प्रो. जयमोहन एम.एस. और डॉ. सुमा एस., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सृजनात्मक लेखन– राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. रचनात्मक लेखन– (सम्पादक) रमेश गौतम– भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
4. जनसंचार और रचनात्मक लेखन– डॉ. आलोकरंजन पांडेय– श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. साहित्य चिंतन : रचनात्मक आयाम– डॉ. रघुवंश, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।